श्री लक्ष्मीनारायण आरती

जय लक्ष्मी-विष्णो। जय लक्ष्मीनारायण,
जय लक्ष्मी-विष्णो। जय माधव, जय श्रीपति,
जय, जय, जय विष्णो ॥

जय लक्ष्मी-विष्णो।

जय चम्पा सम-वर्णे जय नीरदकान्ते।
जय मन्द स्मित-शोभे जय अदभुत शान्ते ॥

जय लक्ष्मी-विष्णो।

कमल वराभय-हस्ते शङ्खादिकधारिन्।
जय कमलालयवासिनि गरुडासनचारिन् ॥

जय लक्ष्मी-विष्णो।

Panotbook.com

सच्चिन्मयकरचरणे सच्चिन्मयमूर्ते।
दिव्यानन्द-विलासिनि जय सुखमयमूर्ते ॥

जय लक्ष्मी-विष्णो।

तुम त्रिभुवन की माता, तुम सबके त्राता।
तुम लोक-त्रय-जननी, तुम सबके धाता ॥

जय लक्ष्मी-विष्णो।

तुम धन जन सुख सन्तित जय देनेवाली।
परमानन्द बिधाता तुम हो वनमाली ॥

Panotbook.com

जय लक्ष्मी-विष्णो।

तुम हो सुमति घरों में, तुम सबके स्वामी।
चेतन और अचेतन के अन्तर्यामी ॥

जय लक्ष्मी-विष्णो।

शरणागत हूँ मुझ पर कृपा करो माता।
जय लक्ष्मी-नारायण नव-मन्गल दाता ॥

जय लक्ष्मी-विष्णो।